हिंदी

कक्षा 2

सत्र 2019–20

DIKSHA एप कैसे डाउनलोड करें?

विकल्प 1 : अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें।

विकल्प 2 : Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूंढ़े एवं डाउनलोड बटन पर tap करें।

DIKSHA

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें ?

DIKSHA App को लॉच करे → App की समस्त अनुमति को स्वीकार करें → उपयोगकर्ता Profile का चयन करें।

पाठ्यपुस्तक में QR Code को Scan करने के लिए मोबाइल में QR Code tap करें।

मोबाईल को QR Code पर केन्द्रित करें।

सफल Scan के पश्चात् QR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी।

डेस्कटॉप पर QR Code का उपयोग कर डिजिटल विषय–वस्तु तक कैसे पहुँचे ?

(1) QR Code के नीचे 6 अंक का Alpha Numeric Code दिया गया है।

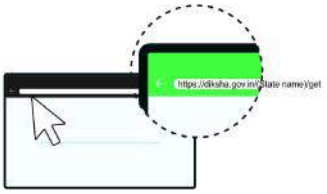

(2) ब्राउज़र में diksha. gov.in/cg टाईप करें।

(3) सर्च बार पर 6 डिजिट का QR CODE टाईप करें।

(4) प्राप्त विषय–वस्तु की सूची से चाही गई विषय–वस्तु पर क्लिक करें।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

निःशुल्क वितरण हेतु

प्रकाशन वर्ष – 2019

ekxn'kd

संचालक

एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.,रायपुर

सहयोग

प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री (दिल्ली विश्वविद्यालय),
डॉ. हृदयकांत दीवान (विद्या भवन, उदयपुर)
श्री रोहित धनकर (दिगंतर, जयपुर)

3IQQFS

संयोजक

डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

समन्वयक

डॉ. आर.के.वर्मा

सम्पादक मण्डल

श्री राजेन्द्र पाण्डेय, स्व.डॉ.सी.एल.मिश्रा, डॉ. विद्यावती चन्द्राकर, श्रीमती विद्या डांगे

लेखक दल

राजेन्द्र पाण्डेय, सुधा खरे, अनूप नाथ योगी,सच्चिदानंद शास्त्री, दुर्गेश वैष्णव, छलिया वैष्णव, शोभा शंकर नागदा,रमेश शर्मा,दिनेश गौतम, विनय शरण सिंह, डॉ. राजेश शर्मा,रीता श्रीवास्तव, द्रोण साहू, पुष्पा शुक्ला, राजपाल कौर, लक्ष्मी सोनी, श्रीदेवी, मनोज चंद्राकर, मनोज साहू,खोजन दास डिडौरी

चित्रांकन

राजेन्द्र सिंह ठाकुर, रेखराज चौरागड़े, सुश्री अनीता वर्मा, मो. इकराम, श्री राजेश सेन

आवरण एवं ले आउट डिजाइनिंग

रेखराज चौरागड़े

प्रकाशक

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुद्रक

मुद्रित पुस्तकों की संख्या – .....

आमुख

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के साथ ही यह आवश्यक हो गया था कि नवगठित राज्य के संदर्भ में शिक्षा के सरोकारों का पुनः निर्धारण किया जाए। आवश्यकता अनुसार पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों का नवीनीकरण किया जाए। प्रदेश की इसी आवश्यकता को ध्यान में रखकर सत्र 2003–04 में नई शिक्षा योजना के साथ नई पाठ्यपुस्तकों के सृजन का कार्य प्रारम्भ किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा आयोग और मानव अधिकार आयोग प्राथमिक कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बच्चों के बस्ते में बोझ से चिंतित है। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग भी इस चिंता को दूर करने के लिए प्रयासरत था। अंततः इस वर्ष उसकी पहल पर पाठ्यपुस्तकों के निर्माण की एक नई प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। शासन द्वारा लिए गए निर्णय के फलस्वरूप इस वर्ष कक्षा पहली और दूसरी के बच्चों के लिए हिन्दी, गणित और सामान्य अंग्रेजी की पृथक–पृथक पुस्तक होगी। इन पुस्तकों में वर्कबुक समावेशित है, अतः इन कक्षाओं के लिए पृथक से वर्कबुक बनाने की आवश्यकता अनुभव नहीं की गई।

पाठ्यपुस्तक के विकास में बच्चों की अभिरुचियों को ध्यान में रखकर सीखने की गतिविधियों का सृजन एवं एन.सी.ई.आर.टी. की हिन्दी पुस्तिका रिमझिम–2 के कुछ पाठों का चयन किया गया है। विद्यालयों की परिस्थितियों व सीखने के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए समूह अधिगम एवं स्व अधिगम पर बल देने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही पर्यावरणीय संचेतना, लिंग संचेतना आदि पहलुओं को ध्यान में रखकर पाठ्यपुस्तक संयोजित की गई है। पाठों में दी गई पाठ्यसामग्री एवं अभ्यास कार्य, भाषा शिक्षण की नवीन अवधारणाओं एवं लर्निंग आउट कम पर आधारित हैं। हम आशा करते हैं कि शिक्षक इस पाठ्यपुस्तक का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकेंगे।

अध्ययन–अध्यापन की प्रक्रिया रोचक और संपूर्ण कैसे बने इस पर सतत् प्रयास हो रहे हैं। यह पुस्तक भी इसी दिशा में एक कदम है।

इस पुस्तक की रचना शिक्षण के प्रति वैकल्पिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के उद्देश्य को सामने रखकर की गई है। इस पुस्तक में, आसपास होने वाली सहज क्रियाओं में भी भाषा के गणित के रूप को देखा जाएगा। इन क्रियाओं को रोचक गतिविधियों के साथ स्वयं करते हुए जब बच्चे आगे बढ़ेंगे तो अवश्य ही उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

इस पुस्तक में हर अवधारणा की शुरूआत संदर्भ से की गई है। बच्चे पहले से जितना जानते हैं उसका उपयोग उनके सीखने में हो, और वे अपने अनुभवों में कुछ नया जोड़ते चलें, फिर नई परिस्थितियों में उसका प्रयोग करें और धीरे–धीरे सीखते चलें, सीखने की इस प्रक्रिया को इस पुस्तक का आधार बनाया गया है। कक्षा 1 में यह अपेक्षा है कि कक्षा में बच्चे की भाषा का उपयोग हो, जिससे उसे अवधारणाओं को अपने भाषायी ढाँचे के साथ जोड़ने का अवसर मिले।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग. द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से Energized Text Books एक अभिनव प्रयास है, जिसे ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन (डाउनलोड करने के उपरांत) उपयोग किया जा सकता है। ETBs का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो–वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, संबंधित अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

इस पुस्तक को तैयार करते समय शिक्षकों, शिक्षक–प्रशिक्षकों तथा शिक्षा क्षेत्र से सक्रिय रूप से जुड़े अनेक विद्वानों का सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। फिर भी सुधार करने और नया जोड़ने की संभावनाएँ तो हमेशा ही रहेंगी। इसलिए यह पुस्तक जिनके भी हाथ में है उनसे अनुरोध है कि इसे बच्चों के लिए और बेहतर बनाने के लिए अपने महत्त्वपूर्ण सुझाव परिषद् को अवश्य भेजें।

संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

छत्तीसगढ़, रायपुर

शिक्षकों से कुछ बातें

कक्षा पहली की पुस्तक को पढ़ाते समय आपने देखा होगा कि भाषा–शिक्षण का उद्देश्य बच्चों को सिर्फ लिपि सिखाना नहीं है। आपने यह भी जाना होगा कि भाषा बच्चे के लिए बातचीत का माध्यम ही नहीं है वरन् उसके सोच को आगे बढ़ाने व पुख्ता बनाने का आधार भी है। भाषा के विविध उपयोगों से बच्चों की तर्क समझने व तर्क रचने की क्षमता तो बढ़ती है ही पर इसके साथ–साथ उनकी दृष्टि भी ज्यादा पैनी होती है। वह ज्यादा पहलुओं को ध्यान में रख सकते हैं और ज्यादा विस्तृत विवरण प्रस्तुत कर सकते हैं। कक्षा–1 में प्रस्तुत सभी तरीकों को जारी रखें व बच्चों को आत्मविश्वास प्राप्त करने के अधिक–से–अधिक मौके दें।

कक्षा–2 में हिंदी भाषा सिखाने की प्रमुख आवश्यकताएँ, जिन पर ज़ोर दिया जाना है नीचे दी गई हैं–

- हिंदी में विविध कविताओं, कहानियों व विवरण को पढ़कर समझने की शुरुआत करना।
- कविता व कहानी को हाव–भाव अथवा उतार–चढ़ाव के साथ सुनाने का अभ्यास करना।
- नए शब्दों के संदर्भ से अर्थ सीखने का प्रयास।
- अपने आस–पास के जीवन को पाठ की सामग्री के साथ जोड़ना व उनमें तुलना करना।
- दिए गए निर्देश को समझना व धीरे–धीरे कुछ बड़े निर्देशों को समझकर उपयोग कर पाना।
- कविता, कहानी, नाटक आदि को बच्चे खुशी–खुशी पढ़ना चाहें व नई किताबों की तलाश करें। इसके लिए इस सामग्री को पढ़ने व समझने में निहित आनंद को वे महसूस करें।
- बच्चे हिंदी और अपनी बोली में चर्चा करें व एक भाषा में कही जाने वाली बात को दूसरी भाषा में प्रस्तुत करें।
- बच्चों की, लिपि पढ़ने की क्षमता को आगे बढ़ाकर और वर्णों की पहचान के संदर्भ में उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना।
- पढ़ना सिखाने के प्रयास को जारी रखने के साथ–साथ कक्षा दो में लिखने को आगे बढ़ाना।

- यह अपेक्षा है कि बच्चे पाठ को पढ़कर नहीं तो कम–से–कम सुनकर अपने ढंग से समझने का प्रयास करेंगे। शिक्षक पाठ का विश्लेषण कर उसे पूरी तरह से समझा दें व बच्चे उसे याद कर लें यह भाषा

  सिखाने का उद्‌देश्य नहीं है।

- लिखने की क्षमता केवल अक्षर बनाने, शब्दों, वाक्यों अथवा वाक्यों की नकल करने तक नहीं है। यह तो सिर्फ लिख पाने की पहली सीढ़ी हो सकती है।

- अपने विचार, अपने मत, अपने उत्तर, अपने अनुभव बच्चे लिखें यह प्रयास शुरू होना है।

- स्वतंत्र रूप से ऐसे लिख पाने में स्वयं सोचकर चित्र बनाना भी साथ–साथ शुरू करने से मदद मिलेगी।

- लिख पाने के लिए अभिव्यक्ति की क्षमता, खुलापन व आत्मविश्वास तीनों ही बुनियादी जरूरतें हैं। इसके साथ ही कहीं पेंसिल पकड़ना, चलाना व अक्षर बना पाना भी शामिल हैं।

प्रत्येक पाठ में विभिन्न भाषाओं की शब्दावलियों का उल्लेख है। संबंधित शिक्षक अपने क्षेत्र विशेष की भाषा का सहयोग लें।

विषय–सूची

	वर्णमाला	i - iv
1.	तितली और कली	1 – 4
2.	गुड़िया रानी की शादी	5 – 7
3.	कौन बोला म्याऊँ	8 – 11
4.	भालू ने खेली फुटबाल	12 – 17
5.	चालाक चीकू	18 – 20
6.	चींटी और हाथी	21 – 25
7.	एकता का बल	26 – 30
8.	कौन ?	31 – 33
9.	मिट्टी	34 – 36
10.	बहुत हुआ	37 – 40
11.	मड़ई–मेला	41 – 44
12.	ऊँट चला	45 – 48
13.	आई एक खबर	49 – 52
14.	चूहे को मिली पेंसिल	53 – 57
15.	धूप	58 – 59
16.	छोटे–छोटे कदम	60 – 62
17.	चित्रकोट जलप्रपात	63 – 66
18.	क्या है उसका नाम ?	67 – 71
19.	साहसी बनो	72 – 74
20.	परिशिष्ट	75 – 94

वर्णमाला

हिंदी वर्णमाला में कुल 52 अक्षर हैं।

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण		
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह			
क्ष	त्र	ज्ञ				
ड़	ढ़	श्र				

संयुक्त अक्षर

त्र	ज्ञ	क्ष	श्र
(त्+र)	(ज्+ञ)	(क् +ष)	(श् +र)

इनके अतिरिक्त इस प्रकार से भी संयुक्त अक्षर बनते हैं–

क् + य = क्य

च् + च = च्च

त् + त = त्त

च् + छ = च्छ

ग् + य = ग्य

स् + थ = स्थ

प् + य = प्य

ड् + ड = ड्ड

संयुक्त अक्षरों वाले शब्द

पत्ता	प्यार	प्यास
कृष्ण	पृथ्वी	क्या
पप्पू	प्याज	चप्पू
अच्छा	भाग्य	बच्चा
स्कूल	पुस्तक	मच्छर
लड्डू	संध्या	आनन्द
न्यारी	प्यारी	क्यारी
स्वास्थ्य	ग्वाल	स्लेट

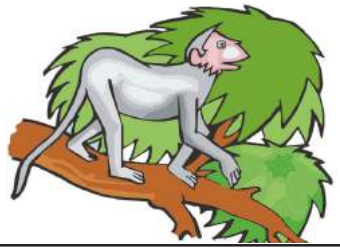

ब+न्+द+र = बन्दर

प+त्+त+ा = पत्ता

ि+ब+ल्+ल+ी = बिल्ली

क+ु+त्+त+ा = कुत्ता

ग+ु+ड्+ड+ी = गुड्डी

ब+च्+च+ा = बच्चा

2SCE27

पाठ 1

तितली और कली

छिटककर, महक, रंगीली, सुंदर

हरी डाल पर लगी हुई थी,
नन्ही सुंदर एक कली।
तितली उससे आकर बोली,
तुम लगती हो बड़ी भली।

अब जागो तुम आँखें खोलो,
और हमारे संग खेलो।
फैले सुंदर महक तुम्हारी,
महके सारी गली गली।
कली छिटककर खिली रंगीली,
तुरंत खेल की सुनकर बात।
साथ हवा के लगी भागने,
तितली छूने उसे चली।

शिक्षण संकेत – कविता को गाकर सुनाएँ फिर दुहराने को कहें। आसपास में पाए जाने कीट – पतंगों के बारे में बच्चों से प्रश्न पूछें। अभ्यासमाला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ क्षेत्रीय भाषा/बोली में बताएँ।

कविता से

- तितली कली के पास क्यों गई थी?
- तितली और कली ने क्या खेल खेला?
- तितली के क्या कहने पर कली खुश हो गई?

अंदाज़ा लगाओ

- तितली कली के पास कब गई होगी?

सुबह ☐ **दोपहर** ☐ **शाम** ☐

- तुमने समय का अंदाज़ा कैसे लगाया?

मिलते–जुलते शब्द

- कविता में से वे शब्द ढूँढ़ो जो सुनने में कली जैसे लगते हैं।

  जैसे – कली, भली

- नीचे दिए गए शब्दों जैसे कुछ शब्द अपने मन से जोड़ो।

  .....बोलो..... .....तितली..... .....डाल .....

  ....

  ....

  ....

महके सारी गली–गली

- महक तुम्हें अच्छी भी लग सकती है और बुरी भी।

  अच्छी लगने वाली महक को कहेंगे .....

  बुरी लगने वाली महक को कहेंगे .....

- ऐसी चीज़ों के नाम लिखो जिनकी महक तुम्हें पसंद है और जिनकी पसंद नहीं है।

पसंद है	पसंद नहीं है
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

- तुम्हारे आसपास ऐसे कौन–कौन से फूल हैं जिनकी बहुत तेज़ महक है?

  फूलों के नाम अपनी भाषा में लिखो।
- तुम्हारे घर में किस–किस तरह की महक आती है?

  (जैसे – साबुन या तेल की महक गुसलखाने से)

तुम्हारी बात

खेलने के लिए कली तुरंत जाग गई थी। तुम किस काम के लिए तुरंत जाग जाओगे और किस काम के लिए जागना पसंद नहीं करोगे? क्यों?

जागेंगे	नहीं जागेंगे
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

रंग–बिरंगी

हरी डाल पर लगी हुई थी
नन्ही सुंदर एक कली

कविता में पौधे की डाल हरे रंग की बताई गई है।
नीचे लिखी चीज़ें किन–किन रंगों की हो सकती हैं ?

..... तितली ..... सूरजमुखी
..... बैंगन ..... लड्डू

..... पेंसिल ..... प्याला
..... कुर्ता ..... साग
..... संतरा ..... मिट्टी

2SLA3U

2SV65H

पाठ 2

xfM;k jkuh dh 'kknh

गहरी, मित्रता, तय करना, मदद, माला, बधाई गाना, जुट जाना

चंपा और मंजु दो   थीं। दोनों में गहरी मित्रता थी। चंपा के पास   थी। मंजु के पास   था। दोनों रोज शाम को   में खेलती थीं। उनके   भी पास–पास थे।   में भी वे एक साथ पढ़ती थीं।

एक दिन दोनों ने तय किया कि वे   और   की शादी करेंगी। अगले दिन से ही वे शादी की तैयारी में जुट गईं। दोनों ने अपनी–अपनी माँ से मदद माँगी। इधर चंपा की माँ ने   का लहंगा और दुपट्टा बनाया। उधर मंजु की माँ ने   का कुर्ता और   तैयार की। सब मित्रों को शादी का निमंत्रण कार्ड भेजा गया। शादी के दिन सूरज की माँ ने फूलों की दो   बना दीं। भैया मिठाई की दुकान से   और   ले आए। उन्होंने पंडित को भी बुलवाया। रामू काका ने   बजाया और   ने बधाई गाई। इस तरह   और   की शादी हुई।

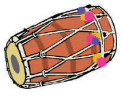

शिक्षण संकेत :–

1.पाठ पढ़ने का अभ्यास पूर्व से ही कर लें।
2.पाठ का आदर्श वाचन करते समय प्रश्नोत्तर तकनीक का उपयोग करें।
3.बारी–बारी से सभी बच्चों से वाचन करवाएँ।

शब्दार्थ

गहरी	= अच्छी, गाढ़ी।	मित्रता	= दोस्ती।
तय करना	= निश्चित करना।	जुट जाना	= किसी काम में लगना।
मदद	= सहायता।	माला	= हार।
बधाई गाना	= शादी के गीत गाना।		

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

मित्रता, माला, मदद, तय करना, बधाई गाना

2. सही क्या है –

1.चंपा के पास ..... (गुड़िया थी/गुड्डा था।)
2.चंपा और मंजू के घर ..... । (पास–पास थे/दूर–दूर थे।)
3.गुड्डा व गुड़िया की शादी के लिए उन्होंने ..... सहायता माँगी,
(माँ से/पिता से)
4.मंजू की माँ ने ..... कपड़े बनाए। (गुड्डे के/गुड़िया के)
5.सूरज की माँ ने ..... (मिठाई बनाई/मालाएँ बनाई)
6.रामू काका ने .....(ढोलक बजाया/बधाई गाई)

3. अपनी सहेलियों/मित्रों के नाम लिखो –

4. तुमने अपने गाँव/घर में शादियाँ देखी होंगी। शादियों में क्या – क्या होता है, उसके बारे में बताओ।

5. क्या तुमने अक्ती (अक्षय तृतिया) त्यौहार के बारे में सुना है। यह त्यौहार कैसे मनाया जाता है, पता करो।

6. चित्र देखकर नाम लिखो–

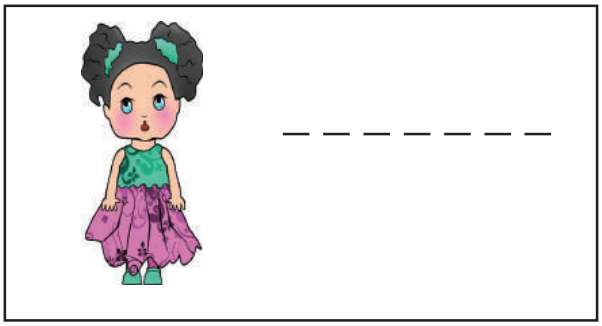

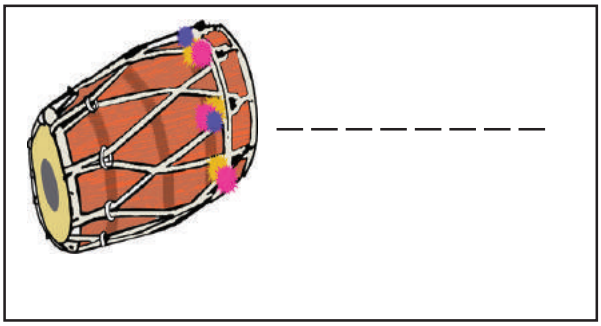

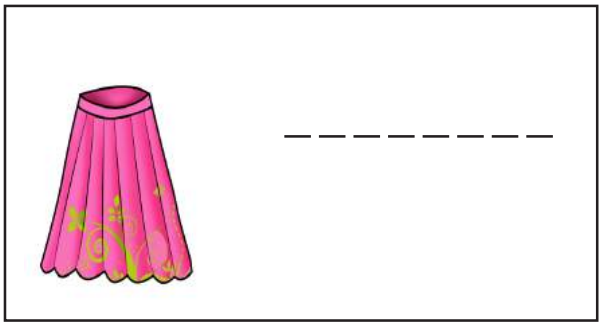

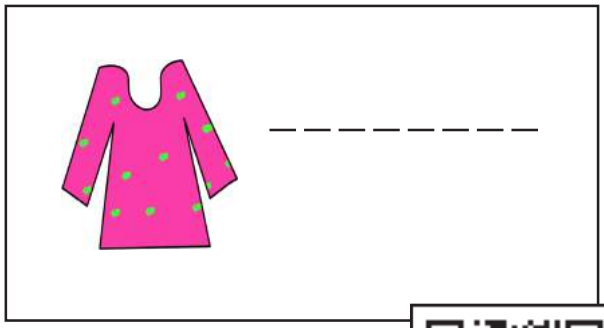

– – – – – – – –

– – – – – – – – –

– – – – – – – – –

– – – – – – – – –

2T5275

7. अपने घर में पुराने कपड़ों से गुड़िया और गुड्डा बनाओ।

8. बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा करो और रंग भरो।

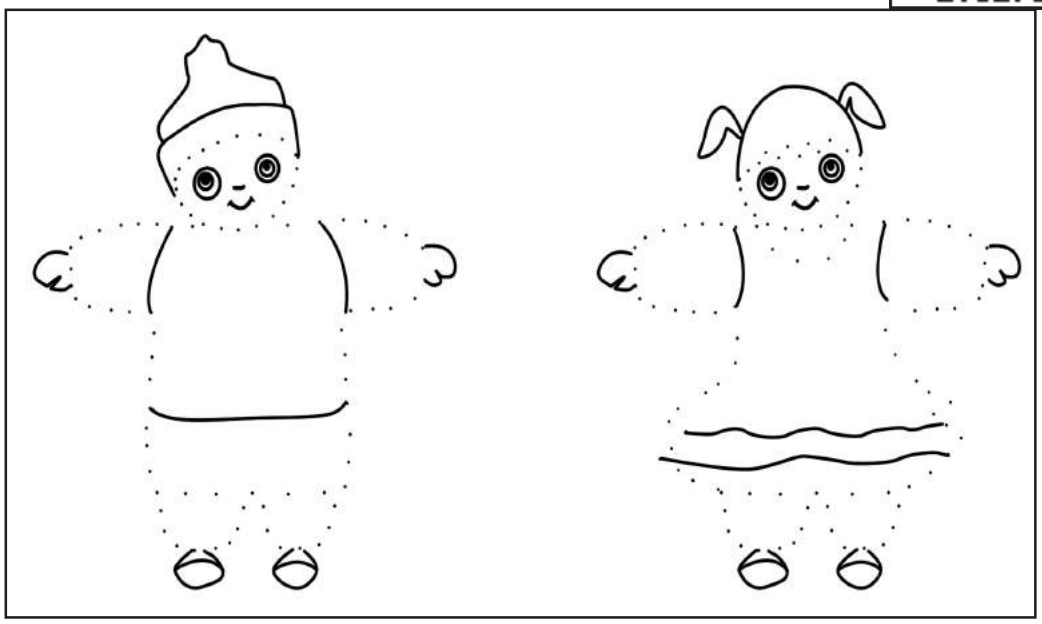

2TDX8S

पाठ 3

कौन बोला म्याऊँ ?

पिल्ला	म्याऊँ	आवाज
मेंढक	फुदक	भिन्–भिन्
मधुमक्खी	झाड़ी	टर्र–टर्र

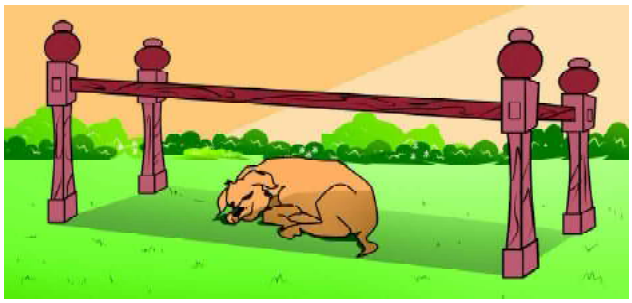

एक पिल्ला खाट के नीचे सो रहा था। तभी आवाज सुनाई दी ..... म्याऊँ! पिल्ला झट उठ बैठा। इधर–उधर देखा आवाज कहाँ से आई ? कहीं कोई नहीं था। वह घर से बाहर आया। तभी पास की झाड़ी में से एक चूहा कूदकर सामने आया।

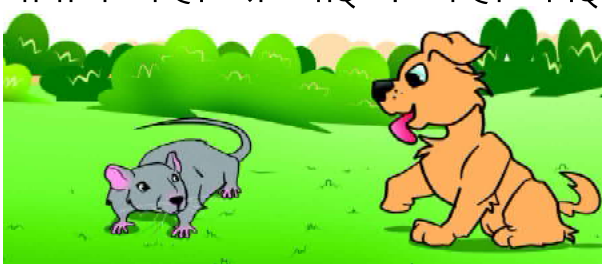

पिल्ले ने पूछा– "क्या तुम बोले म्याऊँ ?"

''नहीं, मैं तो 'चीं–चीं' बोलता हूँ''– चूहा बोला। पिल्ला फूल के पौधे के पास पहुँचा। फूल पर एक मधुमक्खी बैठी थी। पिल्ले ने पूछा–''क्या तुम बोली म्याऊँ ?'' ''नहीं, मैं तो भिन्–भिन् करती हूँ।''

फिर आवाज आई ''म्याऊँ।''

तालाब के किनारे एक मेंढक बैठा था।

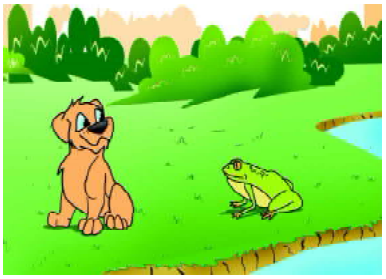

पिल्ले ने मेंढक से पूछा– ''क्या तुम बोले म्याऊँ ?''

''मैं तो टर्र–टर्र बोलता हूँ।'' फिर आवाज आई, "म्याऊँ।"

''कौन बोला म्याऊँ ?''

मैं बोली म्याऊँ...

शिक्षण संकेत – पाठ आरंभ करने के पूर्व कुछ पालतू जानवरों की आवाज के संबंधा में बच्चों से चर्चा करें। उसे बच्चों से निकालने को भी कहें तत्पश्चात पाठ आरंभ करें। पाठ के अंत में कुछ प्रश्न भी पूछें और उनको उत्तर देने हेतु प्रेरित करें। अभ्यासमाला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

पिल्ला = कुत्ते का बच्चा, आवाज = ध्वनि, भिन्–भिन् = मधुमक्खी की आवाज

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

पिल्ला, मेंढक, मधुमक्खी, झाड़ी

2. कौन कैसे आवाज निकालता है जोड़ी बनाओ –

1. 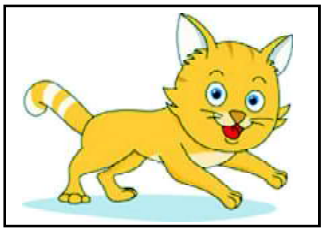 – भिन् – भिन्

2. – टर्र – टर्र

3. – भौं – भौं

4. 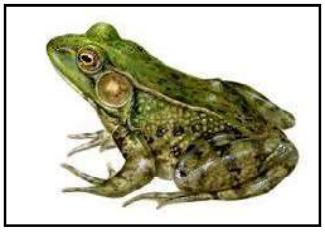 – म्याऊँ–म्याऊँ

3. सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाओ।

क. पिल्ला कहाँ सोया था ?
(खाट के नीचे / खाट के ऊपर)

ख. फूल पर कौन बैठा था ?
(मधुमक्खी / कीड़ा)

ग. तालाब के किनारे कौन बैठा था ?
(मेंढक / चूहा)

घ. म्याऊँ कौन बोला ? बताओ।
(बिल्ली / पिल्ला)

4. कौन, किसका बच्चा है? रेखा खींचकर सही जोड़ी बनाओ।

क		ख
चूजा	–	कुत्ता
पिल्ला	–	मुर्गी
बछड़ा	–	भेड़
छौना	–	गाय
मेमना	–	हिरन

5. सोचकर बताओ।

तुम अपने आस – पास बहुत सी आवाजों को सुनते होगे। बताओं ये आवाजें किसकी हैं?

1. घर्र – घर्र –
2. टन – टन –
3. ट्रिंग – ट्रिंग –
4. झुन – झुन –
5. ठन – ठन –

6. एक जैसी ध्वनि वाले शब्दों का उच्चारण करो।

क. साड़ी – गाड़ी

ख. टर्र–टर्र – फर्र–फर्र

ग. आस – पास

घ. झट – पट

6. कौन – कहाँ मिलेगा

स्थान 1	स्थान 2	जीव – जंतु
....	....	साँप
....	....	तोता
....	....	हाथी
....	....	गाय

7. गतिविधि –

1. नीचे बने वर्ग में बारह पशुओं एवं जंतुओं के नाम छिपे हैं, ढूँढ़कर पढ़ो।

हा	थी	गि	घो	ड़ा	म
गा	ऊँ	ल	में	ढ	क
य	ट	ह	लो	म	ड़ी
ब	क	री	ना	ग	धा
त	शे	र	हि	र	न
ख	र	गो	श	भा	लू

2. चित्र पूरा करो एवं रंग भरकर उसका नाम लिखो –

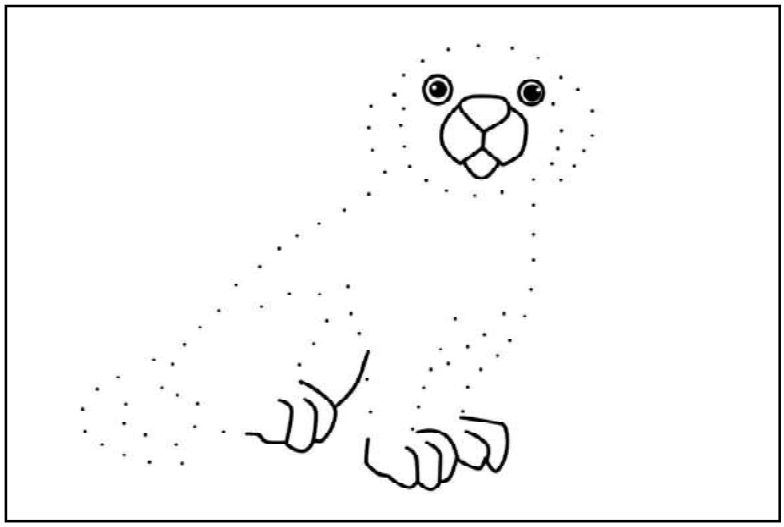

2TMTAF

2TWPC3

पाठ 4

भालू ने खेली फुटबॉल

गर्मी, नजर, हड़बड़ी, कोहरा, फुर्ती, आफत

सर्दियों का मौसम था। सुबह का वक्त। चारों ओर कोहरा ही कोहरा। एक शेर का बच्चा सिमटकर गोल–मटोल बना जामुन के पेड़ के नीचे सोया हुआ था।

इधर भालू साहब सैर पर निकल तो आए थे लेकिन पछता रहे थे। तभी उनकी नज़र जामुन के पेड़ के नीचे पड़ी।

आखें फैलाई, अक्ल दौड़ाई – अहा! फुटबॉल। सोचा, चलो इससे खेलकर कुछ गर्मी हासिल की जाए।

मगर डाल टूट गई। भालू साहब जल्दी ही मामला समझ गए। पछताए, लेकिन अगले ही पल

आव देखा न ताव। भालू जी ने पैर से उछाल दिया शेर के बच्चे को।

हड़बड़ी में शेर का बच्चा दहाड़ा और फिर पेड़ की एक डाल पकड़ ली।

दौड़कर फुर्ती से दोनों हाथ बढ़ाए और शेर के बच्चे को लपक लिया।

अरे यह क्या! शेर का बच्चा फिर से उछालने के लिए कह रहा था।

एक बार फिर भालू दादा ने उछाला। दो बार तीन बार फिर बार–बार यही होने लगा। शेर के बच्चे को

उछलने में मज़ा आ रहा था। परंतु भालू थककर परेशान हो गया था।

ओह, किस आफत में आ फँसा। बारहवीं बार उछालते ही भालू ने घर की ओर दौड़ लगाई और गायब हो गया।

शेर के बच्चे ने कहा – ज़रा ठीक तो हो लूँ । माली ने कहा ठीक है।

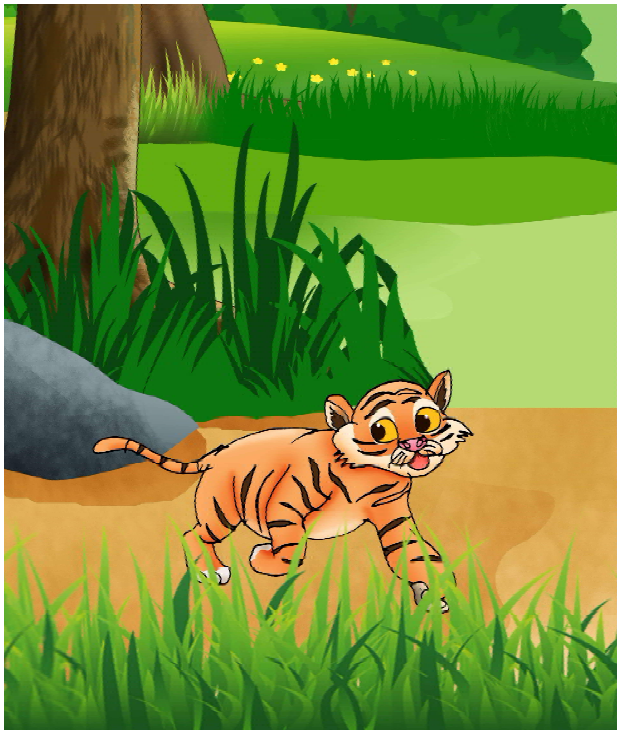

अब की बार शेर का बच्चा धड़ाम से ज़मीन पर आ गया। डाल भी टूट गई।

तभी माली वहाँ आया और शेर के बच्चे पर बरस पड़ा – डाल तोड़ दी पेड़ की। लाओ हर्जाना।

मैं अभी आता हूँ। माली के वहाँ से जाते ही शेर का बच्चा भी नौ दो ग्यारह हो लिया। उसने सोचा –जान बची तो लाखों पाए।

शिक्षण संकेत – पाठ आरंभ करने के पूर्व सर्दियों के मौसम और कोहरे के बारे में एवं ठंड से बचने के लिए किए जाने वाले उपाय के बार में चर्चा करवाएँ। साथ ही बच्चों के द्वारा खेले जाने वाले खेलों के विषय में बातचीत करें । पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

आफत = मुसीबत, कोहरा = धुंध, वक्त = समय, लपक = पकड़,

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ ।

कोहरा, सुबह, गायब, जमीन, हड़बड़ी, जामुन

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो ।

क. शेर के बच्चे ने पेड़ की डाल क्यों पकड़ी ?

ख. शेर का बच्चा क्यों दहाड़ा ?

ग. भालू साहब किस बात पर पछताए ?

घ. भालू ने क्यों कहा – ओह! किस आफत में आ फँसा ?

3. दिए हुए वाक्यों को पढ़कर पढ़ी गई कहानी के क्रम में जमाओं –

क. भालू ने शेर के बच्चे को उछाल दिया।

ख. शेर के बच्चे ने पेड़ की डाल पकड़ ली।

ग. भालू ने घर की ओर दौड़ लगाई।

घ. भालू साहब सैर को निकले।

ड. भालू ने शेर के बच्चे को लपक कर पकड़ लिया।

4. क्या होता अगर –

क. भालू शेर के बच्चे को न पकड़ता ?

ख. शेर का बच्चा नौ दो ग्यारह न होता ?

5. करके देखो –

क. जब भालू ने शेर के बच्चे को उछाला, वह दहाड़ा।
उसके दहाड़ने की आवाज़ कैसी होगी, बोलकर दिखाओ।

ख. नीचे लिखे कामों को कैसे करते हैं ? कक्षा में करके बताओ।

लपकना	फेंकना
कंघी करना	मोज़ा पहनना
दबे पाँव चलना	धुले कपड़े निचोड़ना

6. शेर के बच्चे ने सुनाई आपबीती

शेर के बच्चे ने घर जाकर अपने माता–पिता को अपनी कहानी सुनाई। उसने क्या–क्या सुनाया होगा? बताओ।

7. खेल–खेल में

क. फुटबॉल को **फुट बॉल** क्यों कहते होंगे?

ख. ऐसे खेलों के नाम बताओ जिनमें **बॉल** (गेंद) का इस्तेमाल करते हैं।

पिट्ठूल ....

8. तुम्हारी समझ से

ठंड से बचने के लिए शेर का बच्चा गोल–मटोल सिमटकर बैठ गया था।

तुम्हारे विचार से शेर का बच्चा ठंड से बचने के लिए और क्या–क्या कर सकता था?

9. ठंड से बचना

भालू ने ठंड से बचने के लिए फुटबॉल खेलने की बात सोची। तुम ठंड से बचने के लिए क्या–क्या करते हो ? (✓) का निशान लगाओ।

क. दौड़ लगाते हो।

ख. गर्म कपड़े पहनकर घर में बैठते हो।

ग. रज़ाई ओढ़ते हो।

घ. आग तापते हो।

ड. ठंडा पानी पीते हो।

च. गर्म पानी में नहाते हो।

छ. गर्म–गर्म चाय पीते हो।

2U6KDQ

2UFGFD

पाठ 5

चालाक चीकू

बिल्ली मौसी हिस्सा
अंदर दौड़

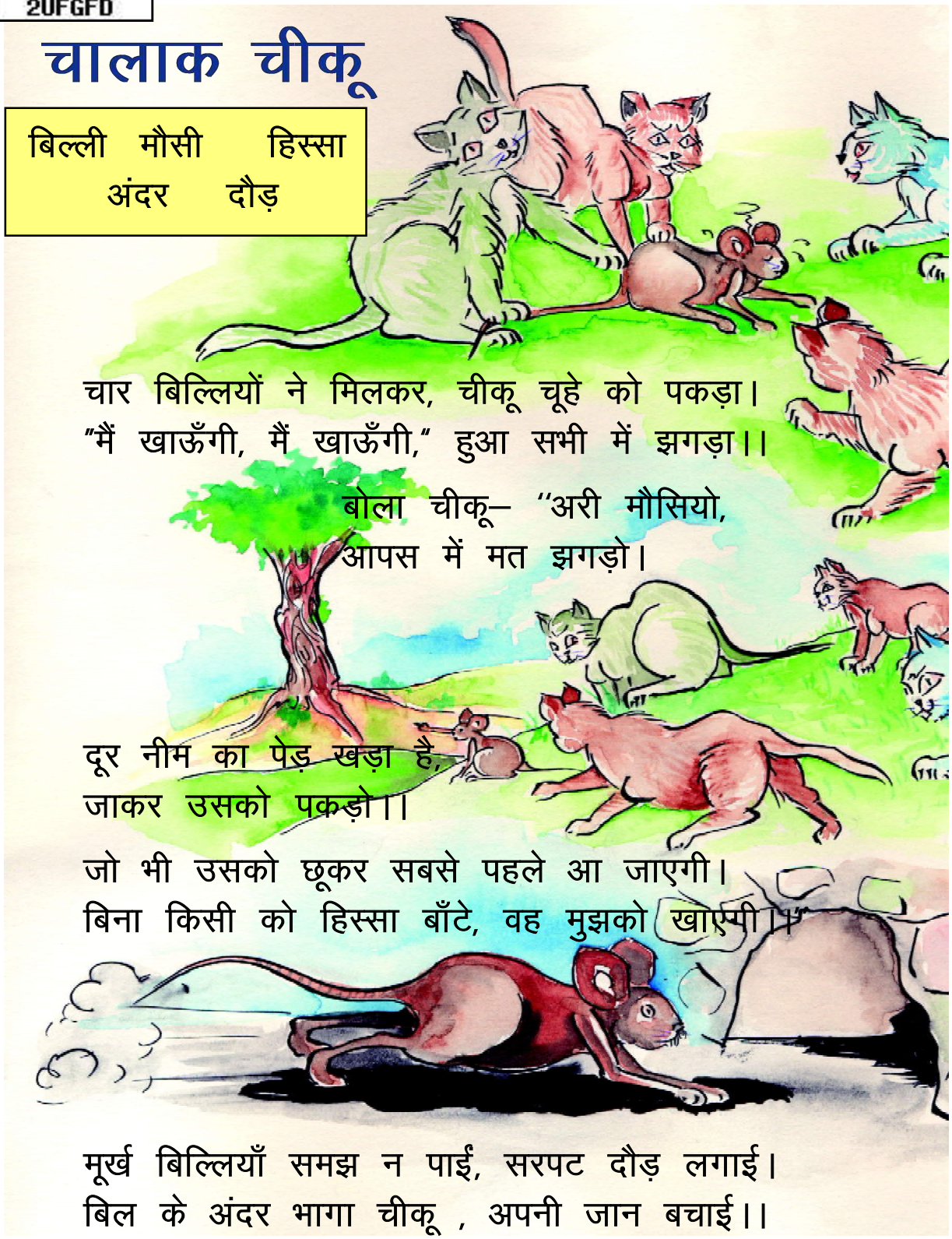

चार बिल्लियों ने मिलकर, चीकू चूहे को पकड़ा।
"मैं खाऊँगी, मैं खाऊँगी," हुआ सभी में झगड़ा।।

बोला चीकू– "अरी मौसियो,
आपस में मत झगड़ो।

दूर नीम का पेड़ खड़ा है,
जाकर उसको पकड़ो।।

जो भी उसको छूकर सबसे पहले आ जाएगी।
बिना किसी को हिस्सा बाँटे, वह मुझको खाएगी।।"

मूर्ख बिल्लियाँ समझ न पाईं, सरपट दौड़ लगाई।
बिल के अंदर भागा चीकू , अपनी जान बचाई।।

शिक्षण संकेत – कविता पठन के पूर्व चूहे तथा बिल्ली के स्वभाव को लेकर बच्चों से बातचीत करें। लय तथा अभिनय के साथ कविता को प्रस्तुत करें। फिर बच्चों से उसी तरह दुहराने को कहें। चूहे की चालाकी के संबंध में बच्चों से प्रश्न करें। अभ्यास माला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। उत्तर की जाँच करें। गलत उत्तरों को पुनः सुधारने के लिए कहें। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताएँ।

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

बिल्ली, मौसी, हिस्सा, अंदर, चूहा, पेड़

2. पढ़ो और समझो।

बिल्ली	–	बिल्लियाँ	नारी	–	नारियाँ
ताली	–	.....	लाठी	–	.....
आरी	–	.....	साड़ी	–	.....

3. कविता के जिन शब्दों में 'ड़' वर्ण आया है, उन शब्दों को छाँटकर लिखो।

दौड़ _____ _____ _____

4. वाक्यों में आए परिवर्तन को रेखांकित करो।

मैं कहाँ जा रहा हूँ ?	हम कहाँ जा रहे हैं ?
तुम कहाँ जा रहे हो ?	तुम लोग कहाँ जा रहे हों ?
वह कहाँ जा रहा है ?	वे कहाँ जा रहे हैं ?

5. सोचकर बताओ –

1. कविता को कहानी में सुनाओ ।
2. चूहा और बिल्ली में कौन अधिक चालाक था ?
3. चूहा बिल्लियों से बचने के लिए और क्या तरीका अपना सकता था ?

6. पढ़ो और समझो।

7. चित्र बनाओ और उसके बारे में लिखो – (कोई एक)

बिल्ली, चूहा, खरगोश

33F89I

पाठ 6

चींटी और हाथी

33P4B6

सूँड़ जंग धक्का–मुक्की फूँक बित्ता जुगत अक्ल

एक रानी चींटी थी। भोजन की तलाश में वह रोज जंगल जाती। सभी चींटियाँ उसके साथ जातीं।

उस जंगल में एक हाथी रहता था। वह दिनभर घूमता रहता था। कभी इस पेड़ को तोड़ता, कभी उस पेड़ को तोड़ता। कुछ खाता, कुछ फेंक देता। लंबी सूँड़ में पानी भरता और नहाता। दूसरे जानवरों को पानी से भिगोता। जानवरों से वह धक्का–मुक्की भी करता, चींटियों को मसल देता। सभी उससे डरते थे। उससे कोई कुछ न कहता। हाथी से सभी तंग थे।

एक दिन की बात है। रानी चींटी हाथी से मिली। वह बोली, "तुम दूसरों को सताते हो, यह ठीक नहीं।"

हाथी बोला, "चुप रह! छोटी–सी जान, बित्ता भर जुबान। मेरी मर्जी, मैं चाहे जो करूँ।

रानी चींटी बोली–''शेर जी से कह दूँगी।''

हाथी हँसकर बोला,

''शेर से क्या कहेगी ?

वह मेरे दम पर मुखिया है।''

रानी चींटी चुप हो गई। वह घास में जाकर छिप गई। हाथी इधर– उधर घूम रहा था।

रानी चींटी चुपके से उसकी सूँड़ में घुस गई। हाथी अपनी मौज में था। चींटी सूँड़ के अंदर घुसती ही गई।

अब रानी चींटी ने हाथी की सूँड़ को काटना शुरू किया। हाथी परेशान होने लगा। उसने जोर–जोर–से सूँड़ पटकी। फूँक लगाई। कोई जुगत काम न आई। रानी चींटी ने काटना बंद नहीं किया। हाथी चीख पड़ा।

तब रानी चींटी बोली, "आया मजा बच्चू! अब क्यों रोते हो ? आई नानी याद ?"

रानी चींटी हाथी को काटती रही। हाथी गिर पड़ा। बोला, ''चींटी रानी, चींटी रानी! माफ करो, माफ करो। अब किसी को नहीं सताऊँगा। किसी को छोटा न मानूँगा।'' रानी चींटी ने सोचा, "हाथी को अब आई अक्ल"। रानी चींटी सूँड़ से बाहर आई; बोली, ''हाथी दादा! हाथी दादा! जमाना बदल गया है।''

हाथी ने सूँड़ उठाकर हामी भरी।

शिक्षण संकेत – पाठ में निहित उद्देश्य एवं मूल्य को बच्चों को समझाएँ। अन्य छोटी–छोटी कहानियों से बच्चों में सुनने की क्षमता विकसित करें। स्थानीय परिवेश को ध्यान में रखते हुए कहानी में निहित मूल्यों का ज्ञान कराएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों का अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

सताना	=	तंग करना	मौज	=	मस्ती
जुबान	=	जीभ	जुगत	=	तरकीब, उपाय
मर्जी	=	इच्छा	हामी भरना	=	हाँ कहना

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ–

सूँड़, जंग, धक्का–मुक्की, फूँकना, जुगत, अक्ल

2. बताओ, कौन–सी बात सही और कौन–सी गलत है।

क. सभी चींटियाँ, रानी चींटी के साथ जंगल जाती थीं। (————)

ख. हाथी जानवरों से प्यार करता था। (————)

ग. रानी चींटी चुपके से हाथी की सूँड़ में घुसी। (————)

घ. जंगल के जानवर रानी चींटी से परेशान थे। (————)

3. उल्टे अर्थ वाले शब्दों को पढ़ो व समझो –

अच्छा	–	बेकार	भीतर	–	बाहर
ऊपर	–	नीचे	दुखी	–	सुखी
ज्यादा	–	कम	बड़ा	–	छोटा

4. नीचे लिखे शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे करो –

सूपा	सूँड़	पूँछ	पैर	पंख	चोंच	दाँत	आँखें

क. तोते की ———————— लाल होती है।

ख. हाथी की ———————— लम्बी होती है।

ग. चिड़िया के दो ———————— होते हैं।

घ. जानवरों के चार ———————— होते हैं।

ड़ कुत्ते की ———————— टेढ़ी होती है।

च. हाथी के कान ———————— जैसे होते हैं।

छ. हाथी के ———————— बड़े–बड़े होते हैं।

ज. हाथी की ———————— छोटी होती हैं।

5. गतिविधि :–

आसपास की अन्य छोटी कहानियाँ कक्षा में सुनाओ ।

6. सोंचकर बताओ –

अगली बार जब चींटी और हाथी मिलेंगे तो आपस में क्या बातचीत करेंगे ?

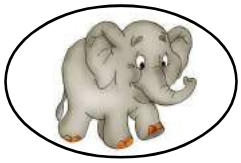

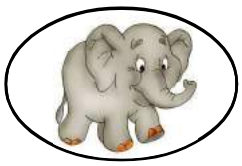

.... ।

.... ।

.... ।

.... ।

7. चींटी ने जंगल में क्या – क्या खाया होगा ? तुम क्या – क्या खाते हो ?

....

....

....

....

....

8. चींटी को जंगल में खाने के लिए और क्या – क्या मिला होगा, उनके नाम लिखो।

....

....

....

....

9. जंगल का चित्र बनाकर रंग भरो –

33XZCT

347VEG

पाठ 7

एकता का बल

पीपल	कबूतर	भोजन	धरती	चिल्लाना	बहेलिया	
क्षमा	इशारा	मित्र	उन्हें	मदद	बूढ़ा	धन्यवाद

जंगल में पीपल का एक पेड़ था। उस पेड़ पर बहुत–से कबूतर रहते थे। कबूतर दिनभर भोजन की खोज में उड़ते रहते। रात होने पर वे सब पीपल के पेड़ पर लौट आते।

एक दिन की बात है। कबूतर भोजन की तलाश में उड़े। थोड़ी दूर उड़ने पर एक छोटा कबूतर बोला, ''देखो, उधर देखो। धरती पर कितना दाना बिखरा पड़ा है।''

सभी कबूतर उधर देखने लगे। उन्हें धरती पर बहुत–सा दाना दिखाई पड़ा। वे धीरे–धीरे नीचे उतरने लगे।

तभी एक बूढ़ा कबूतर बोला, ''ठहरो, ठहरो। अभी वहाँ मत जाओ। जंगल में इतना दाना कहाँ से आया?''

दूसरा कबूतर बोला, ''कहीं से भी आया हो। आओ, हम सब मिलकर दाना चुगें।''

कबूतर धरती पर उतर गए। वे दाना चुगने लगे। पर बूढ़ा कबूतर उनके साथ नहीं गया। वह दूर से ही देखता रहा। कबूतरों ने पेट भर दाना खाया। अब वे उड़ना चाहते थे, पर उड़ न सके। वे जाल में फँस गए थे। कबूतर चिल्लाने लगे, ''बचाओ, बचाओ, हम जाल में फँस गए हैं।''

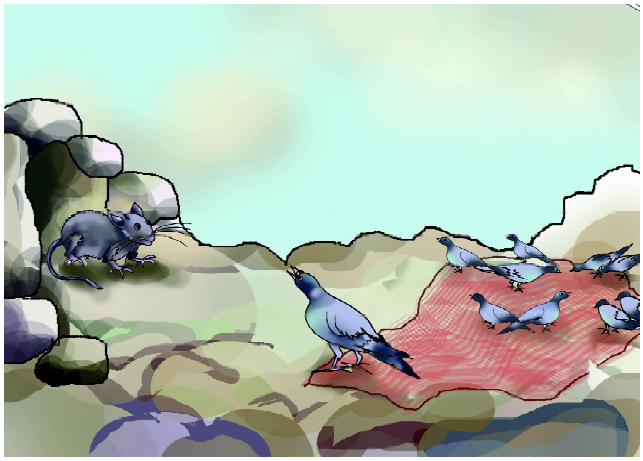

तभी एक कबूतर चिल्लाया, ''उधर देखो। अरे, अरे, वह तो बहेलिया है। वह हमें पकड़ने आ रहा है।''

बूढ़ा कबूतर बोला, ''घबराओ मत। सब मिलकर जोर लगाओ। जाल को लेकर एक साथ उड़ चलो।''

सभी कबूतरों ने मिलकर जोर लगाया। जाल कुछ ऊँचा उठा तो कबूतरों ने और जोर लगाया।

अब कबूतर जाल लेकर उड़ने लगे। बूढ़ा कबूतर आगे–आगे उड़ रहा था। सब कबूतर उसके पीछे थे।

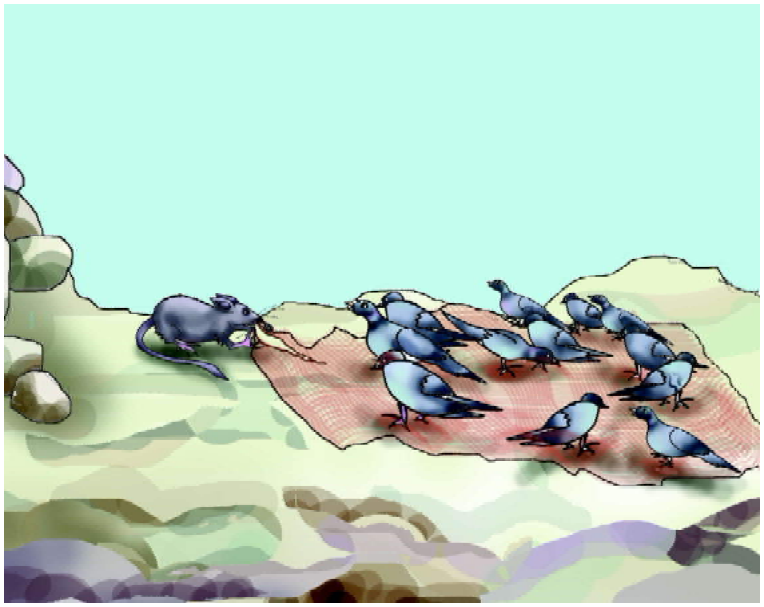

बूढ़ा कबूतर उन्हें लेकर बहुत दूर उड़ गया। उसने एक टूटे–फूटे मकान की तरफ इशारा किया। वह बोला, ''यहाँ एक चूहा रहता है। वह मेरा मित्र है। वह हमारी मदद करेगा। यहीं उतर जाओ।''

बूढ़े कबूतर ने चूहे को बुलाया। चूहे ने जाल काट दिया। कबूतर जाल से निकल आए। उन्होंने चूहे को धन्यवाद दिया। सभी कबूतरों ने अब बूढ़े कबूतर से क्षमा माँगी और उसे धन्यवाद दिया।

शिक्षण संकेत – एकता का अर्थ बच्चों को बताएँ। कक्षा में रखी मेज को किसी एक बच्चे से हटाने को कहें फिर वही मेज उस बच्चे के साथ पाँच अन्य बच्चे मिलकर हटाएँ। बच्चे ने क्या महसूस किया उसे कक्षा के अन्य बच्चों से साझा करवाएँ। एकता की कोई अन्य कहानी कक्षा में सुनाएँ। कठिन भावों को बच्चों की भाषा में स्पष्ट करें।

शब्दार्थ

पाँव = पैर, क्षमा = माफी, तलाश = खोज, मदद = सहायता
मित्र = दोस्त, बहेलिया = जाल बिछाकर पक्षियों को पकड़ने वाला।

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

बहेलिया, क्षमा, इशारा, मदद

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. कबूतर कहाँ रहते थे ?

ख. छोटे कबूतर ने क्या देखा ?

ग. बूढ़ा कबूतर दूसरे कबूतरों के साथ क्यों नहीं गया ?

घ. कबूतर क्यों नहीं उड़ सके ?

ङ बूढ़ा कबूतर सबको लेकर कहाँ गया ?

च. सभी कबूतरों ने बूढ़े कबूतर से क्षमा क्यों माँगी ?

3. हमारे मददगार कौन – कौन हैं –

भोजन के लिए – ....

स्वास्थ्य के लिए – ....

शिक्षा के लिए – ....

कपड़ों के लिए – ....

4. सही शब्द चुनकर ✓ का निशान लगाओ।

(दाना, धरती, मदद, क्षमा, जाल)

क. बहुत–सा दाना ———————— पर बिखरा था। (धरती, आसमान)

ख. जंगल में इतना ———————— कहाँ से आया ? (दाना, खाना)

ग. कबूतर ———————— में फँस गए। (जाल, कीचड़)

घ. चूहा हमारी ———————— करेगा। (मदद, दया)

ङ कबूतरों ने बूढ़े कबूतर से ———————— माँगी। (क्षमा, सहायता)

5. ड़, ढ़, त्र, क्ष वर्णों से बने एक–एक शब्द खोजकर लिखो।

———— ———— ———— ————

6. सही मिलान कर वाक्य बनाओ और बोलो –

क.	कबूतर	–	जाल काट दिया।
ख.	चूहे ने	–	आगे–आगे उड़ रहा था।
ग.	कबूतरों ने	–	पीपल के पेड़ पर रहते थे।
घ.	बूढ़ा कबूतर	–	चूहे को धन्यवाद दिया।

7. पढ़ो और समझो। दिए गए शब्दों के अनुसार शब्द बनाकर लिखो।

बूढ़ा	–	बूढ़े	–	बूढ़ों
चूहा	–	————	–	————
गधा	–	————	–	————
घोड़ा	–	————	–	————

8. दिए गए चित्र को पहचानकर वाक्य बनाओ –

कबूतर पेड़ पर रहता है ।

कबूतर ..... चुगता है ।

.....

.....

.....

9. दिए गए चित्र पर चर्चा कर कहानी बनाओ।

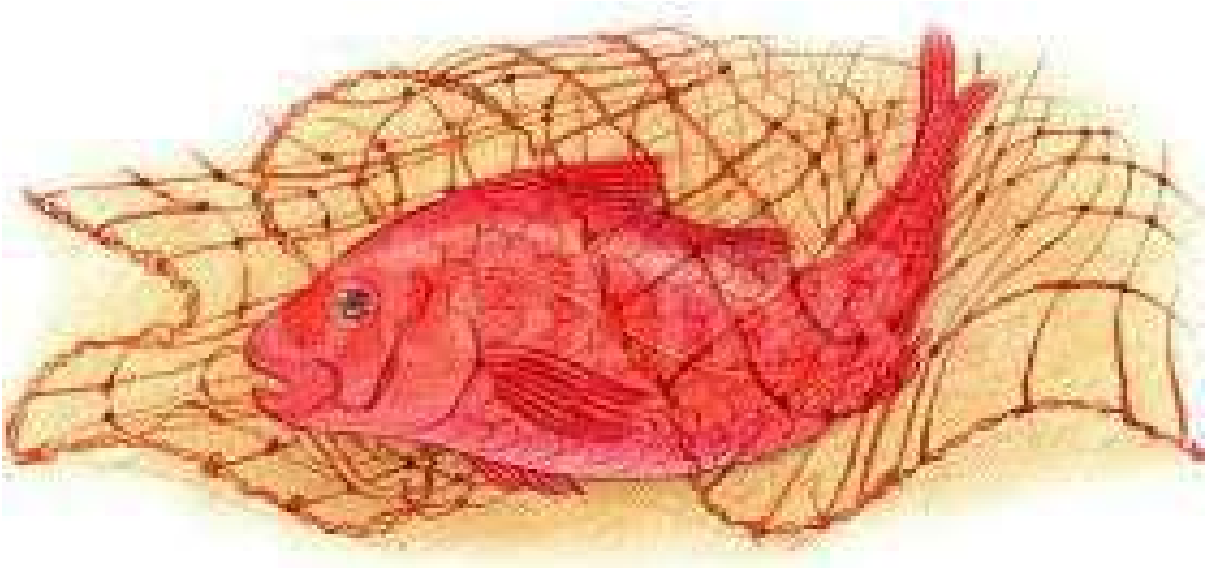

34GRG4

पाठ 8

कौन ?

चाँद	प्यास	मुस्काता
प्रश्न	निर्मल	इन्द्रधनुष

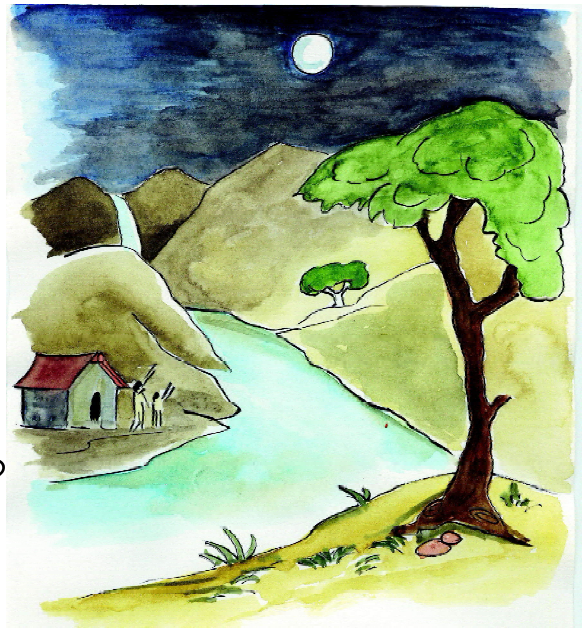

अगर न होता चाँद, रात में
हमको दिशा दिखाता कौन ?
अगर न होता सूरज, दिन को
सोने–सा चमकाता कौन ?

अगर न होतीं निर्मल नदियाँ
जग की प्यास बुझाता कौन ?
अगर न होते पर्वत, मीठे
झरने भला बहाता कौन ?

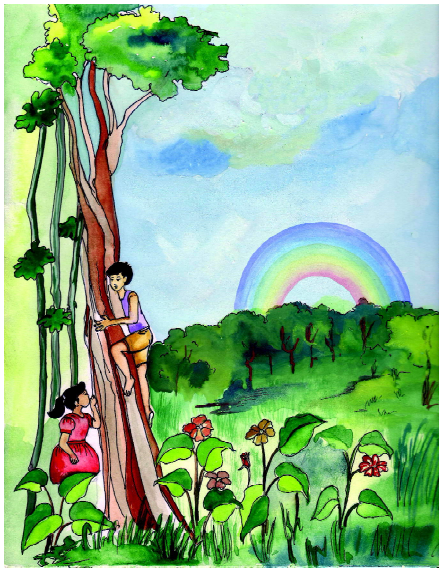

अगर न होते पेड़, भला फिर
हरियाली फैलाता कौन ?
अगर न होते फूल बताओ,
खिल–खिलकर मुस्काता कौन ?

अगर न होते बादल, नभ में
इंद्रधनुष रच पाता कौन ?
अगर न होते हम, तो बोलो,
ये सब प्रश्न उठाता कौन ?

शिक्षण संकेत – लयबद्ध कविता पाठ करें और बच्चों को दुहराने को कहें। पहाड़, नदी, झरने, पेड़–पौधे, आदि पर चर्चा कर बच्चों को पर्यावरण की सरल छोटी–छोटी बातों से अवगत कराएँ। उनकी भाषा में कविता का अर्थ बताएँ एवं कठिन शब्दों के अर्थ से भी परिचित कराएँ।

शब्दार्थ

नभ	=	आकाश	जग	=	दुनिया, संसार
पर्वत	=	पहाड़	प्रश्न	=	सवाल
हरियाली	=	चारों ओर हरा–ही–हरा होना			
निर्मल	=	बिना मैल का, स्वच्छ, साफ			

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

   नभ, पर्वत, निर्मल, हरियाली, मिट्टी

2. समझकर एक–एक वाक्य में उत्तर लिखो।

   क. जिस रात चाँद नहीं निकलता, वह रात कैसी लगती है?

   _____

   ख. दिन में उजाला हमें किससे मिलता है ?

   _____

   ग. हरियाली किनके कारण दिखाई पड़ती है ?

   _____

   घ. इंद्रधनुष में कितने रंग होते हैं ?

   _____

3. अगर तुम्हें इस कविता का नाम बदलने को कहे तो तुम क्या नाम दोगे और क्यों?

4. क्या तुमने इन्द्रधनुष कभी देखा है ? देखा है तो तुम्हे कौन – कौन से रंग दिखाई देते हैं, बताओ ।

5. चित्र बनाकर रंग भरो –

(पेड़, पर्वत, सूरज, नदी, फूल, इंद्रधनुष)

34ZIJE

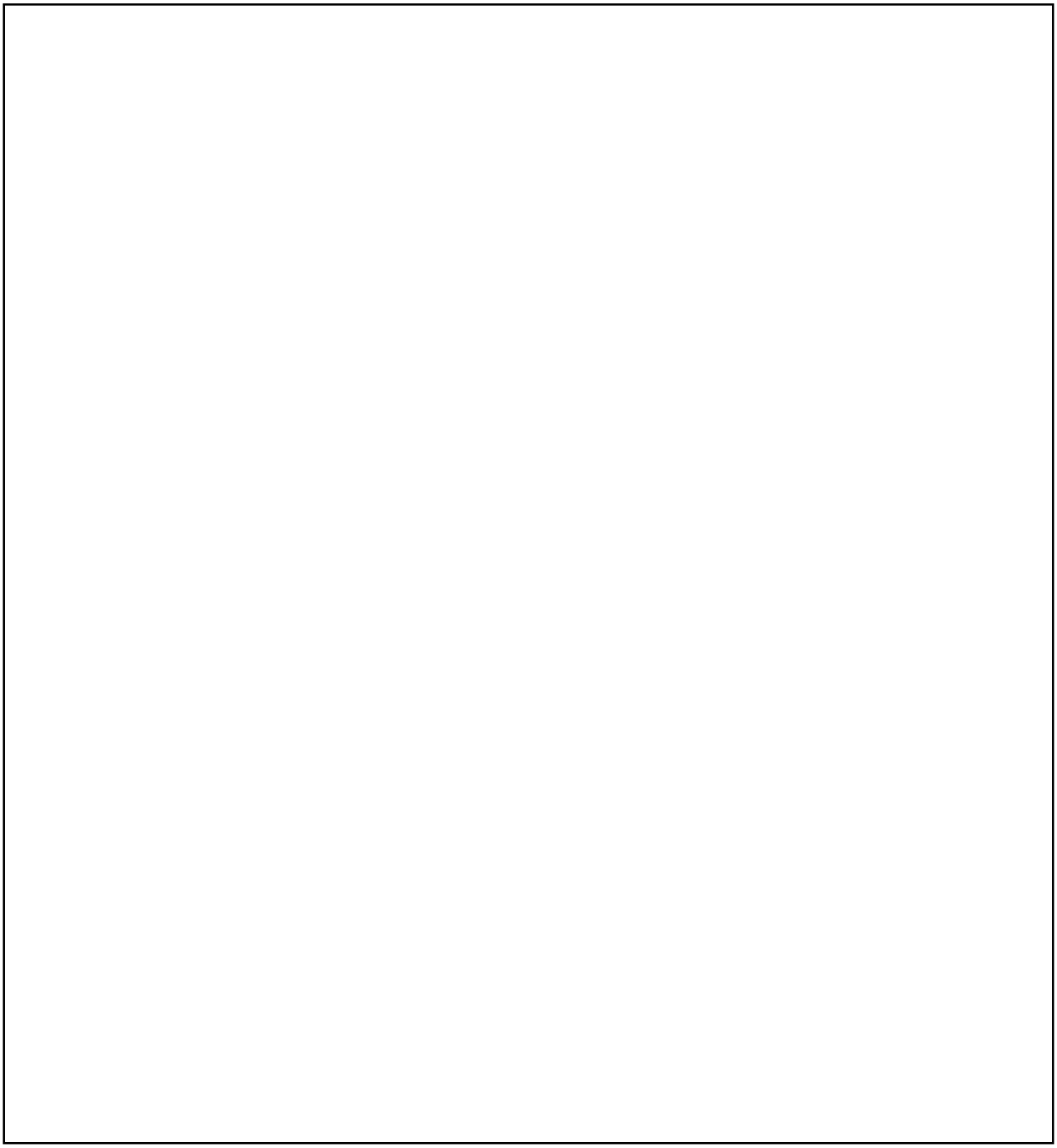

359EL2

पाठ 9

मिट्टी

मिट्टी, बूँद, सोंधी–सोंधी, सुंदर, रंग–बिरंगे, खिलौने, सलोने, मोल

गाँव, गली, खेतों में मिट्टी
बाहर मिट्टी, घर में मिट्टी।
टप–टप, टप–टप बूँद पड़ी तो,
महकी सोंधी–सोंधी मिट्टी।।

मिट्टी से घर बने हैं कितने,
मिट्टी पर वे खड़े हैं कितने।
सुंदर फूल खिलाती मिट्टी,
सबका बोझ उठाती मिट्टी।।

गमले, मटके सजे सलोने,
रंग–बिरंगे बने खिलौने।
कुछ भी मोल न लेती मिट्टी,
सोचो क्या–क्या देती मिट्टी।।

शिक्षण संकेत :– कविता का सस्वर वाचन करें एवं बच्चों को दुहराने के लिए कहें। कविता में आए अपरिचित शब्दों का अपनी भाषा में अर्थ बताएँ। अभ्यास के प्रश्नों में दिए गए निर्देशों को पढ़कर बच्चों को समझाएँ व अभ्यास के प्रश्नों को पेंसिल से हल करवाएँ।

क्या किसी भी मिट्टी से खिलौने बनाए जा सकते हैं?

मोनू और जय मेले में गए। मेले में उन्होंने सुंदर–सुंदर खिलौने देखे। घर आकर उन्होंने भी खिलौने बनाने चाहे। घर के सामने मुरम पड़ी थी। वे दोनों मुरम के खिलौने बनाने लगे। पर मुरम के खिलौने नहीं बने। मुरम में छिपी मकड़ी ने उचककर कहा, ''अरे, मोनू! इस मिट्टी के खिलौने नहीं बनेंगे। चलो, हम कहीं अच्छी मिट्टी ढूँढ़ते हैं।'' थोड़ी दूर एक मकान बन रहा था। सामने रेत का ढेर लगा था। मोनू, जय और मकड़ी ने खिलौने बनाने के लिए रेत में पानी डाला। रेत में से पानी बह गया। रेत में छिपे घोंघे ने कहा, ''जय भैया! यह तो रेत है, इसके खिलौने नहीं बनेंगे।'' वहीं एक केंचुआ मिट्टी खोद रहा था। वह रेंगता हुआ आया और गर्दन मटकाकर बोला, ''मोनू दीदी! नदी की मिट्टी के खिलौने अच्छे बनेंगे।'' सबने नदी के किनारे की मिट्टी खोदी। मिट्टी में से घास निकाली, मिट्टी इकट्ठी की। सबने मिलकर खिलौने बनाए।

शब्दार्थ

सलोने = सुंदर, मोल = मूल्य

सोंधी–सोंधी = सूखी मिट्टी पर पानी पड़ने से उठने वाली सुगंध

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में बताओ –

क. मिट्टी से क्या–क्या चीजें बनती हैं?

ख. खिलौने किन–किन चीजों से बनते हैं?

2. नीचे लिखे शब्दों को पढ़ो और लिखो।

गाँव – .....। मिट्टी – .....।

सोंधी – .....। सुंदर – .....।

रंग–बिरंगे – .....। सलोने – .....।

3. पढ़ो और समझकर लिखो –

गाँव – पाँव, छाँव, ..., ... फूल – ..... ,.....

महकी – ..... ,..... खिलाती – ..... ,.....

गली – ..... ,.....

4. मिट्टी लाकर खिलौने बनाओ, जैसे– चक्का, बेलन, लोटा, गिलास, आदि। सूख जाने पर उन्हें रँगो और अपनी कक्षा में सजाओ।

5. निम्नलिखित स्थानों पर बच्चों को ले जाकर वहाँ की मिट्टी एकत्र करवाएँ और उनके अंतर के बारे में चर्चा कराएँ–

1. धान का खेत 2. मैदान 3. नदी किनारे

धान का खेत	मैदान	नदी किनारे

35IAMP

पाठ 10

बहुत हुआ

35S6PC

कीचड़, बोरियत, सुआ, दुआ, मौन

बादल भइया
बहुत हुआ !
कीचड़–कीचड़
पानी पानी,

याद सभी को
आई नानी,
सारा घर
दिन रात चुआ।

जाएँ कहाँ !
कहाँ पर खेलें ?
घर में फँसे
बोरियत झेलें।
ज्यों पिंजरे में
मौन सुआ।

सूरज दादा
धूप खिलाएँ,
ताल नदी
सड़कों से जाएँ,
तुम भी भैया
करो दुआ !

शिक्षण संकेत – लयबद्ध कविता पाठ करें और बच्चों को दुहराने को कहें। बरसात के मौसम और उस समय होने वाली परिवर्तनों पर चर्चा करें। उनकी भाषा में कविता का अर्थ बताएँ एवं कठिन शब्दों के अर्थ से भी परिचित कराएँ।

शब्दार्थ

मौन	=	शांत, चुप	सुआ	=	तोता
ताल	=	तालाब	सूरज	=	सूर्य

अभ्यास

1. बारिश कहने पर तुम्हारे मन में कौन–कौन से शब्द आते हैं? सोचो और लिखो।

.....

.....

.....

2. जब बहुत बारिश होने लगती है तब तुम कहाँ खेलते हो? कौन–कौन से खेल खेलते हो?

.....

.....

.....

3. जब खूब तेज़ बारिश होती है तो तुम्हारे घर के आसपास कैसा दिखाई देता है?

4. बारिश में खूब पानी बरसता है। यह सब पानी कहाँ–कहाँ जाता है?

5. ये सब बारिश से बचने के लिए क्या करेंगे? बताओ –

– लोग
– कबूतर
– केंचुआ
– कुत्ता
– मछली
– मोर

6. बहुत हुआ !

बड़े लोग ऐसा कब कहते हैं –

बहुत हुआ, अब चुपचाप बैठो !

क. जब हम .....

ख. बहुत हुआ, अब अंदर चलो !

जब हम .....

ग. बहुत हुआ, अब सो जाओ!
जब हम .....

घ. बहुत हुआ, अब टी.वी. बंद करो!
जब हम .....

7. कविता से

कविता में ऐसा क्यों कहा गया होगा?

क. तेज़ बारिश होने पर सड़कें नदी बन जाती हैं।
ख. सब ओर कीचड़ होने पर नानी याद आती है।

8. अब नहीं बरसूँगा!

एक दिन बादल ने सोचा, मैं अब कभी नहीं बरसूँगा। जब मैं बरसता हूँ तब भी लोग मेरी बुराई करते हैं। जब नहीं बरसता हूँ तब भी मेरी बुराई करते हैं। आज से बरसना बिल्कुल बंद। फिर क्या हुआ होगा ? कहानी को आगे बढ़ाओ।

9. अपने अनुभव बताओं –

1. क्या तुमने बारिश के दिनों में कागज की नाव बनाकर पानी में तैराई हैं। कागज की एक नाव बनाओं।
2. बारिश के दिनों में पानी में भीगना कैसा लगता है?
3. आपको सबसे अच्छा मौसम कौन–सा लगता है। और क्यों?
4. बारिश से संबंधित कविताएँ ढूँढकर कक्षा में सुनाओं?